an>

Title: Need to prevent slaughter of cows in Uttar Pradesh.

श्री हुकुम सिंह (कैराना) : महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। मैं एक राष्ट्रीय महत्व के प्रश्न पर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूँ। आज देश में हालत यह है कि जितने लोग शाकाहारी हैं, उनके लिए केवल दूध, मक्खन और घी ही प्रोटीन के स्रोत बचते हैं। लेकिन जिस प्रकार से लगातार दुधारू पशुओं का वध लगातार हो रहा है, उससे दूध की कमी होती जा रही है। आज चिंता इस बात की है कि आदमी स्वस्थ कैसे रहेगा, आने वाली हमारी पीढ़ी स्वस्थ कैसे रहेगी, बच्चों की हालत क्या होगी? यहीं से शुरू हो जाएं, गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर, शामली, सहारनपुर सब जगह वधशालायें बनती जा रही हैं और लगातार दुधारू पशुओं का कटान जारी है, इस पर कोई प्रतिबंध लगने वाला है या नहीं।

मैं केन्द्र सरकार से आग्रह करता हूँ कि आप केवल स्टेट पर निर्भर न रहें। तुरन्त इस बात के ऊपर कार्रवाई करें, वरना आज हमारी आने वाली नस्लें इस तत्व से वंचित रह जाएंगी। चिंता का विषय यह है कि किसान किस प्रकार से प्रताड़ित हो रहा है। आज अगर किसान दस मिनट के लिए भी अपने पशुओं को बाहर छोड़ देता है तो तुरन्त उसकी चोरी होती है, वह पशु वधशाला में चला जाएगा और वहाँ पर उसका कटान हो जाएगा। आज चिंता का विषय यह है कि एक-एक लाख रूपए की भैंस जो 15 से 20 लीटर दूध देती है, एक-एक लाख रूपए की गाय, जो 20-25 लीटर दूध देती है, आज उनका भी कटान जारी है। अगर ये सारे दुधारू पशु काटने वालों के शिकार हो जाएंगे तो भारतवर्ष का क्या होगा? भारतवर्ष की तो संस्कृति यही रही है, गाय को हमने माता के रूप में देखा है और उसका भी कटान अगर हम नहीं रोक पाएंगे तो वास्तव में हमें कोई माफ नहीं कर पाएगा।

मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूँ कि केवल यह औपचारिक नहीं है, यह पीड़ा की बात है। हम भी किसान परिवार से आते हैं और जब देखते हैं कि अगर दस मिनट के लिए भी किसान अपनी जगह से अनुपस्थित हो गया और पशु उसके यहाँ बंधा हुआ है, तो लौटने के बाद पशु उसको वहाँ नहीं मिलेगा। ऐसे तत्व पैदा हो गए, जो बराबर लगातार पशुओं को खोलने में, उनकी चोरी करने में, उनको काटने में लगे हुए हैं।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से प्रदेश सरकार से भी आग्रह है, केन्द्र सरकार से भी मेरा आग्रह है, यह केवल औपचारिकता की बात नहीं है। कानून बनाने मात्र से काम नहीं चलता है, उस कानून का पालन भी होना चाहिए और ऐसे दुष्ट लोग जो हमारे राष्ट्र के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, उनको जेल में जाना चाहिए, तभी शांति होगी। यह चिंता का विषय हो गया है, देहात पशुओं से खाली हो जाएगा और फिर हम केवल यूरिया का दूध पियेंगे, मिलावट का दूध पियेंगे और हमारे बच्चे लगातार कमजोर होते जाएंगे। आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEAKER: Dr. Ramesh Pokhriyal Nishank, Shri Nishikant Dubey, Shri Gajendra Singh Shekhawat, Shri Bhairon Prasad Mishra, Shri Daddan Mishra, Shri C.R. Chaudhary and Shri Ajay Misra Teni are permitted to associate with the issue raised by Shri Hukum Singh.